एकेटीयू इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित करेगा, पहले से स्थापित सेंटर को मिलेंगे 20 लाख

इनोवेशन हब की नई नीति से हर साल 300 स्टार्टअप शुरू होंगे

■ शाश्वत मिश्रा

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के इनोवेशन हब की नीति से आगामी वर्षों में हजारों स्टार्टअप्स और इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित किए जाएंगे। जिसके तहत 100 करोड़ रुपए की निधि बनाई गई है। इसके जरिए वर्ष 2025 से हर साल प्रदेश स्तर पर कम से कम 300 स्टार्टअप शुरू होंगे। वहीं पहले से स्थापित इन्क्यूबेशन सेंटर्स और प्री इन्क्यूबेशन सेंटर्स को प्रति आइडिया 20 लाख रुपए दिए जाएंगे। साथ ही हर इन्क्यूबेशन और प्री इन्क्यूबेशन सेंटर्स को यह लक्ष्य दिया जाएगा कि वह एक वर्ष में कम से कम 20 आईडिया प्रस्तुत कर उसे स्टार्टअप में तब्दील करवाएं।

एकेटीयू स्थित इनोवेशन हब के हेड महीप सिंह का कहना है कि इनोवेशन हब की नीति से नए स्टार्टअप्स बनाने में मदद मिलेगी। जबकि पुराने स्टार्टअप्स को सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि इनोवेशन हब एकेटीयू से संबद्ध सात राजकीय इंजीनियरिंग और छह शासकीय कॉलेजों में स्थापित इन्क्यूबेशन सेंटर्स के स्टार्टअप्स को भी मदद करेगा। शासकीय कॉलेजों में केएनआईटी, एफओएपी, यूपीआईडी जैसे संस्थान शामिल हैं। इसके अलावा प्रदेश में तकरीबन 100 प्री इन्क्यूबेशन हैं। जिसमें 50 प्री इन्क्यूबेशन में स्टार्टअप्स के कार्य हो रहे हैं। इन्हें भी ग्रांट देने की योजना है।

100 करोड़ रुपये की निधि बनाई

50 प्री इन्क्यूबेशन में स्टार्टअप के कार्य हो रहे हैं

■ इन्क्यूबेशन सेंटर को दिया जाएगा लक्ष्य

> इनोवेशन निधि से सेक्शन आठ कंपनी का संचालन किया जाएगा। स्टार्टअप फंड दिया जाएगा। आईडिया का पेटेंट कराएंगे। इनोवेशन को प्रमोट करने के लिए सेमीनार, वर्कशाप, और स्टार्टअप अवार्ड कराएंगे।
>
> -प्रो. जेपी पांडेय, कुलपति

इन क्षेत्रों में स्टार्टअप कर रहे कार्य

एकेटीयू से संबद्ध संस्थानों के इन्क्यूबेशन सेंटर्स में एआई, मशीन लर्निंग, एग्रीकल्चर, ड्रोन टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स, रूरल डेवलपमेंट, हेल्थ केयर और एडिटिव मैन्यूफैक्चरिंग से जुड़े स्टार्टअप्स कार्य कर रहे हैं।

पांच वर्षों में 400 पेटेंट कराने का लक्ष्य

कुलपति प्रो. जेपी पांडेय ने बताया कि इनोवेशन निधि के माध्यम से आगामी पांच वर्षों में 400 पेटेंट कराने का लक्ष्य रखा गया है। प्रथम वर्ष यानी 2025 में 80 पेटेंट कराए जाएंगे।

इन निजी संस्थानों में भी इन्क्यूबेशन सेंटर बने

एकेटीयू से संबद्ध जीएल बजाज नोएडा, आईटीएस इंजीनियरिंग कॉलेज ग्रेटर नोएडा, एनआईईटी ग्रेटर नोएडा, केआईईटी गाजियाबाद, एकेजी गाजियाबाद, एबीएसईसी गाजियाबाद और एमआईईटी मेरठ जैसे संस्थानों में इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित हैं। जहां के स्टार्टअप्स को इनोवेशन निधि के जरिए ग्रांट मिलेगी।